अमेरिकी टैरिफ से निपटने को व्यापार में विविधता लाएंगे भारत और ब्राजील

ब्राजील ने कृषि, पशुधन आनुवांशिकी और एआई में मजबूत साझेदारी का आह्वान किया

संजीव मुखर्जी
नई दिल्ली, 19 फरवरी

एआई इम्पैक्ट समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष

ब्राजील के कृषि विकास और परिवार कृषि मंत्री पाउलो टेक्सीरा ने गुरुवार को भारत और ब्राजील के बीच कृषि, पशुधन आनुवांशिकी और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) में मजबूत साझेदारी का आह्वान किया। इसके अलावा उन्होंने लगातार बढ़ते अमेरिकी टैरिफ से होने वाले नुकसान से बचने के लिए व्यापार को और अधिक विविधापूर्ण बनाने की बात कही।

लीड्स कनेक्ट द्वारा एआई-सक्षम इंटीग्रेटेड कमांड सेंटर फॉर रिस्क इंटेलिजेंस (आईसीसीआरआई) तथा एआई-संचालित व्यापक इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म 'केदार-पार्वती' के उद्घाटन के मौके पर पाउलो टेक्सीरा ने कहा कि ब्राजील कृषि क्षेत्र की समस्याओं के निदान के लिए एआई-संचालित तंत्र विकसित करने वाली भारतीय कंपनियों के साथ सहयोग करने का इच्छुक है। केदार पार्वती भारत की अग्रणी एग्रीटेक फर्मों में से एक मानी जाती है।

लीड्स कनेक्ट द्वारा सैटेलाइट-आधारित जोखिम मूल्यांकन उपकरणों के प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए टेक्सीरा ने कहा कि ऐसी टेक्नोलॉजी ब्राजील के किसानों के लिए अत्यधिक प्रासंगिक हो सकती हैं। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा के पांच दिवसीय राजकीय दौरे पर भारत आए उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल टेक्सीरा ने कहा, 'यहां ऐसे उपकरण हैं जो ब्राजील के पास अभी तक नहीं हैं। इस टेक्नोलॉजी को ब्राजील ले जाना बहुत दिलचस्प है।' उन्होंने कहा कि ब्राजील भारत के साथ पशु आनुवंशिकी में अपनी विशेषज्ञता साझा करने की भी उम्मीद कर रहा है। मवेशियों के जेनेटिक सुधार में प्रगति पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा कि ब्राजील ने ऐसी टेक्नॉलजी विकसित की है जो जेबू नस्लों (जेबू मवेशी मूल रूप से भारत से हैं) में दूध उत्पादन को बढ़ाती हैं। उन्होंने कहा, 'ब्राजील के पास पशु आनुवंशिकी में ऐसी टेक्नॉलजी हैं, जो मूल रूप से भारत से लाई गई गायों के दूध उत्पादन को बढ़ाने में मदद करती हैं।'

एआई इम्पैक्ट समिट

लीड्स कनेक्ट के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक और बीएल एग्रो (लीड्स कनेक्ट की मूल कंपनी) के सीईओ नवनीत रवि कर ने कहा कि उनकी सहयोगी कंपनी, लीड्स जेनेटिक्स ने पहली बार ब्राजील से भारत में एम्ब्रियो (भ्रूण) का आयात किया है और एक संयुक्त कार्यक्रम के तहत ब्राजील से प्राप्त जेबू एम्ब्रियो के साथ 120 भारतीय गायों को गर्भवती किया गया है और उत्पादन वर्तमान में जारी है।

इस बीच, पशुधन से परे टेक्सीरा ने जैविक इनपुट को सहयोग के लिए एक प्रमुख क्षेत्र बताया। जैविक उर्वरकों और जैविक कीटनाशकों की बढ़ती भूमिका का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, 'यह एक नया क्षण है जिसमें कृषि दुनिया में जी रही है।' एआई हस्तक्षेपों पर उन्होंने संभावनाओं की दुनिया का वर्णन किया, जिसमें फेशियल इंटेलिजेंस सॉफ्टवेयर और कृषि जोखिमों का प्रबंधन करने के लिए सैटेलाइट-सक्षम उपकरण शामिल हैं।

कृषि निर्यात को प्रभावित करने वाले उच्च अमेरिकी टैरिफ पर चिंताओं के बारे में टेक्सीरा ने कहा कि इस तरह के उपायों से अमेरिका के भीतर ही मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ने लगता है। उन्होंने तर्क दिया कि भारत और ब्राजील दोनों के लिए सबसे अच्छा जवाब द्विपक्षीय व्यापार को गहरा करना और बाजारों में विविधता लाना है।'

एआई के प्रसार के लिए साथ आईं वैश्विक व भारतीय फर्में

आशिष आर्यन
नई दिल्ली, 19 फरवरी

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव

प्रमुख एआई मॉडल विकसित करने वाली बड़ी वैश्विक आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनियों और सर्वम, भारतजेन, ज्ञानी तथा सोकेट जैसी भारतीय फर्मों ने आर्थिक उद्देश्यों से एआई अपनाने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि ये स्वैच्छिक प्रतिबद्धताएं 'समावेशी और जिम्मेदार एआई' के लिए साझे दृष्टिकोण को दर्शाती हैं।

वैष्णव ने कहा कि कंपनियों द्वारा की गई प्रतिबद्धताओं में यह भी शामिल है कि वे गुमनाम, समग्र और अलग-अलग तरीके से उपयोग किए गए डेटा से प्राप्त सांख्यिकीय जानकारियों को सीधे या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योगदान के माध्यम से अगली एआई समिट तक प्रकाशित करेंगी। इसके अलावा, ये कंपनियां डेटा के बहुभाषी उपयोग के मूल्यांकन को मजबूत करने के लिए भी मिलकर काम करेंगी।

गुरुवार को हस्ताक्षरित स्वैच्छिक घोषणा में लिखा गया है, 'समिट में भाग लेने वाले संगठनों का मानना है कि अलग-अलग भाषाओं में उपयोग से एआई को हर वर्ग और क्षेत्र तक पहुंचाने में मदद मिलेगी तथा एआई के प्रदर्शन में भी सुधार होगा। साथ ही लोगों को उच्च गुणवत्ता की सेवाएं उपलब्ध होंगी।'

इसके अलावा, सभी हस्ताक्षरकर्ता सरकारों और ऐसी स्थानीय कंपनियों के साथ साझेदारी की अहमियत को समझेंगे, जिनके पास डेटासेट और विशेषज्ञता है या वे इसे विकसित कर सकती हैं। स्वैच्छिक रूप से इस करार पर हस्ताक्षर करने वाली कंपनियां कम प्रसार वाली भाषाओं और सांस्कृतिक क्षेत्रों के विकास में एआई अपनाने के लिए स्थानीय तंत्र के साथ भी सहयोग करेंगे। वैष्णव ने कहा, 'ये प्रयास एआई को आकार देने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम हैं, जो न केवल मजबूत है, बल्कि समावेशी, विकास-उन्मुख और विश्व स्तर पर प्रासंगिक भी हैं। यह पहल एआई गवर्नेंस पर विकासशील देशों के नेतृत्व वाले दृष्टिकोण के निर्माण में भारत को सबसे आगे रखती है।'

आईटी प्रतिभाओं को निखारने पर काम

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को कहा कि सरकार भारतीय आईटी उद्योग के सामने एआई के कारण आ रही चुनौतियों से वाकिफ है। वह प्रतिभाओं का कौशल बढ़ाने के लिए शैक्षणिक संस्थानों के साथ काम कर रही है।

'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' के उद्घाटन सत्र में वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय बजट में बड़ा नीतिगत बदलाव किया है, जिसका उद्देश्य दुनिया के डेटा को भारत में आकर्षित करना, उन्हें यहीं संग्रहित और संसाधित करना तथा यहां से उच्च-मूल्य सेवाएं वैश्विक स्तर पर उपलब्ध कराना है।

उन्होंने कहा, 'हम अपने आईटी उद्योग के सामने मौजूद चुनौतियों के प्रति भी सजग हैं और उन्हें कम करने के लिए उद्योग तथा शिक्षण संस्थानों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, ताकि प्रतिभाओं का कौशल बढ़ाया जा सके और इस एआई युग के लिए नई प्रतिभाएं तैयार की जा सकें।' वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सदैव स्वच्छ ऊर्जा के प्रति प्रतिबद्धता दिखाई है और वर्तमान में भारत की विद्युत उत्पादन क्षमता का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा स्वच्छ स्रोतों से आ रहा है।

एआई के लिए पेश किया 'मानव' दृष्टिकोण

पृष्ठ 1 का शेष

मोदी ने 'मानव' के रूप में एआई के लिए भारत के दृष्टिकोण को रेखांकित किया। इसमें संप्रभुता और समावेशिता पर विशेष ध्यान देते हुए तेजी से उभरती एआई प्रौद्योगिकी के उपयोग एवं मानव-केंद्रित दृष्टिकोण को अपनाने की परिकल्पना की गई है। मोदी ने कहा, 'मैं एआई के लिए 'मानव' (एमएएनएवी) दृष्टिकोण प्रस्तुत करता हूं जिसमें 'एम' का अर्थ 'मोरल ऐंड एथिकल सिस्टम्स' (नैतिक एवं नीतिपरक प्रणालियां), 'ए' से तात्पर्य 'अकाउंटेबल गवर्नेंस' (जवाबदेह संचालन), 'एन' का मतलब 'नैशनल सॉवेरिनिटी' (राष्ट्रीय संप्रभुता), 'ए' से तात्पर्य 'एक्सेसबल ऐंड इन्क्लूसिव' (सुलभ और समावेशी) और 'वी' से तात्पर्य 'वैलिड ऐंड लेजिटिमेट' (वैध और कानूनी) है।'

मोदी ने कहा कि भारत का 'मानव' दृष्टिकोण 21वीं सदी की एआई-संचालित दुनिया में मानवता के कल्याण के लिए एक महत्त्वपूर्ण कड़ी साबित होगा। मोदी ने कहा, 'हमें एआई को खुला आकाश देना है, लेकिन साथ ही लगाम अपने हाथ में रखनी है।' उन्होंने बच्चों की सुरक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि एआई का क्षेत्र बच्चों के लिए सुरक्षित होना चाहिए और परिवार के मार्गदर्शन में इसका इस्तेमाल होना चाहिए।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि भारत और फ्रांस मिलकर एआई के लिए एक ढांचा तैयार करने पर काम करेंगे जिसमें नवाचार को जिम्मेदारी के साथ और प्रौद्योगिकी को मानवता के साथ जोड़ा जाएगा। मैक्रों ने कहा कि बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के बीच सभी डिजिटल उपकरणों को समावेशी दृष्टिकोण की तरफ निर्देशित करने की आवश्यकता बढ़ती जा रही है।

स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति जी पार्मेलिन ने कहा कि उनका देश साल 2027 में जिनेवा में एआई समिट के अगले संस्करण की मेजबानी करेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दुनिया में दो तरह के लोग हैं- एक वे जो एआई में डर देखते हैं और दूसरे वे जो एआई में समृद्धि देखते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं गर्व और जिम्मेदारी के साथ कहता हूं कि हमें इसमें डर नहीं दिखता। भारत एआई में समृद्धि देखता है, भारत एआई में भविष्य देखता है। भारत एआई में प्रतिभा, ऊर्जा क्षमता और नीतिगत स्पष्टता के साथ अवसर और आने वाले कल की रूपरेखा देखता है।'

मोदी ने कहा, 'हमारे पास प्रतिभा भी है। हमारे पास ऊर्जा क्षमता और नीतिगत स्पष्टता भी है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि इस शिखर सम्मेलन में भारत की तीन कंपनियों ने अपने एआई मॉडल और ऐप्लिकेशन पेश किए हैं। ये मॉडल हमारे युवाओं की प्रतिभा को दर्शाते हैं। ये उन समाधानों को भी दिखाते हैं जो भारत दुनिया को दे रहा है।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत न केवल प्रौद्योगिकी बनाता है बल्कि उसे अभूतपूर्व गति से अपनाता भी है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को नई प्रौद्योगिकी को लेकर संदेह है लेकिन युवा पीढ़ी एआई को जिस तरह अपना रही है, वह अभूतपूर्व है।

देर शाम प्रधानमंत्री ने एआई इम्पैक्ट समिट में सीईओ राउंडटेबल की अध्यक्षता की। मोदी ने कहा कि इसमें एआई, प्रौद्योगिकी और नवाचार की दुनिया के अलग-अलग हितधारक एक साथ, एक मंच पर आए। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, 'चर्चाएं गहरी और आगे की सोचने वाली थीं, जो एआई को जिम्मेदारी से बढ़ाने, वैश्विक सहयोग को मजबूत करने और वृद्धि के मौके खोलने पर केंद्रित थीं। इंसानी तरक्की और टिकाऊ विकास के लिए एआई का इस्तेमाल करने की समान प्रतिबद्धता देखकर अच्छा लगा।'

दो दिग्गज: एक-दूसरे के पास मगर बहुत दूर

मंच पर ओपनएआई के ऑल्टमैन और एन्थ्रोपिक के अमोदेई रहे अलग-अलग

अजिंक्य कावले
मुंबई, 19 फरवरी

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) पर प्रभुत्व के लिए वैश्विक प्रतिस्पर्धा और एक व्यक्तिगत प्रतिद्वंद्विता गुरुवार को भारतीय मंच पर देखने को मिली। मंच पर प्रमुख एआई फर्मों ओपन-एआई के सैम ऑल्टमैन और एन्थ्रोपिक के डारियो अमोदेई के शीर्ष अधिकारी एक-दूसरे के बगल में खड़े थे, लेकिन दोनों के बीच दूरियां साफ नजर आ रही थीं।

यह बात उस समय की है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गूगल के सुंदर पिचाई, मेटा के एलेक्जेंडर वांग समेत तमाम दिग्गजों को एआई के प्रति वैश्विक एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए एक-दूसरे का हाथ पकड़े हुए एक फोटो खिंचवाने की बात कही। मंच पर मौजूद सभी लोगों ने एक-दूसरे का हाथ पकड़कर ऊपर उठाया लेकिन ऑल्टमैन और अमोदेई ने अपने-अपने हाथ अलग रखे, जबकि दोनों बिल्कुल पास-पास खड़े थे। कैमरे में कैद यह क्षण फौरन ही वायरल हो गया और दोनों पूर्व सहकर्मियों के बीच प्रतिद्वंद्विता को उजागर कर दिया। ऑल्टमैन से सहमति बढ़ते जाने पर ही अमोदेई ने अमोदेई ने एन्थ्रोपिक के रूप में अपना स्वतंत्र एआई उद्यम शुरू किया था।

ओपनएआई में उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभालने वाले अमोदेई ने पांच साल तक वहां काम करने के बाद संगठन छोड़ दिया था। एआई शोधकर्ता और उद्यमी अमोदेई ने ऑल्टमैन के ओपन-एआई से अलग होने के बाद 2021 में अपनी बहन डेनिएला के साथ एन्थ्रोपिक की शुरुआत की थी, जो जेनरेटिव एआई चैटबॉट चैटजीपीटी के लिए जाना जाता है। चैटजीपीटी के व्यवसायीकरण और सुरक्षा के बारे में उनकी चिंताओं ने एन्थ्रोपिक को लगभग पांच वर्षों में ही 380 अरब डॉलर से अधिक की कंपनी के रूप में खड़ा कर दिया। दूसरी ओर ओप-नएआई का मूल्यांकन 500 अरब डॉलर है।

मंच पर अजीब पल के बारे में पूछे जाने पर ऑल्टमैन ने संवाद-दाताओं को बताया कि वह कुछ भ्रमित थे और नहीं जानते थे कि क्या किया जाना है।

इस महीने की शुरुआत में ओप-नएआई ने घोषणा की थी कि कंपनी अमेरिका में विज्ञापनों का परीक्षण कर रही है। इस दौरान इस बात की भी पुष्टि की कि यह फैसला चैटजीपीटी से प्रतिक्रियाओं के आधार पर नहीं बदलेगा। इसमें यह भी कहा गया था कि इस निर्णय से व्यापक स्तर पर प्रौद्योगिकी का प्रसार होगा और नए उपयोगकर्ता जुड़ेंगे।

ओपनएआई ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा था, 'फ्री ऐंड गो टियर्स को तेज और विश्वसनीय बनाए रखने के लिए मजबूत ढांचा और निरंतर निवेश की आवश्यकता होती है। विज्ञापन उस काम को आर्थिक रूप से सहारा देने में मदद करते हैं। उच्च गुणवत्ता वाले मुफ्त और कम लागत वाले विकल्पों के माध्यम से एआई तक व्यापक पहुंच होती है। हमें समय के साथ अपनी पेशकश की जाने वाली बुद्धिमत्ता और क्षमताओं में सुधार करते रहने में सक्षम बनाते हैं।"

ओपनएआई ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा था, 'फ्री और गो टियर को तेज एवं भरोसेमंद बनाए रखने के लिए मजबूत बुनियादी ढांचे और निरंतर निवेश की आवश्यकता होती है। विज्ञापन उस काम में वित्तीय मदद करते हैं, जो उच्च गुणवत्ता वाले मुफ्त और कम लागत वाले विकल्पों क माध्यम से एआई तक पहुंच बढ़ाते हैं और हमें समय के साथ अपनी समझ एवं क्षमता सुधारने में सक्षम बनाते हैं।'

इस बीच, एन्थ्रोपिक ने एक सुपर बाउल विज्ञापन जारी किया, जिसमें कहा गया कि इसका बड़ा भाषा मॉडल क्लॉड में कभी भी कोई विज्ञापन नहीं होगा, क्योंकि इससे मंच पर चैटबॉट की प्रतिक्रिया को प्रभावित करेगी, लेकिन यह प्रतिद्वंद्विता का केवल एक कारण था। दोनों कंपनियां वैश्विक स्तर पर अपना विस्तार कर रही हैं, क्योंकि वे सॉफ्टवेयर इंजीनियरों के लिए डेवलपर-ग्रेड एजेंटिक वर्कफ्लो के लिए जोर दे रही हैं। एन्थ्रोपिक के पास एक क्लाउड कोड सुइट है, जबकि ओपनएआई की पेशकश को कोडेक्स के रूप में जाना जाता है।

(साथ में एजेंसियां)

KESORAM INDUSTRIES LIMITED

(CIN: L17119WB1919PLC003429)

Regd. Office: Birla Building, 9/1, R N Mukherjee Road, Kolkata-700001, West Bengal, India
Contact No.: +91 33 2243 5453 • **Email ID:** corporate@kesoram.com • **Website:** www.kesocorp.com

Recommendations of the Committee of Independent Directors ("**IDC**") on the Open Offer to the Public Shareholders of Kesoram Industries Limited ("**Kesoram**"/"**Target Company**") under Regulation 26(7) of Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011 and subsequent amendments thereto ("**SEBI (SAST) Regulations, 2011**")

1)	Date	February 19, 2026
2)	Name of the Target Company ("**TC**")	Kesoram Industries Limited
3)	Details of the Open Offer pertaining to Target Company	The Open Offer is made by the Acquirer in terms of Regulations 3(1) and 4 of SEBI (SAST) Regulations, 2011 for acquisition of up to 8,07,72,600 fully paid-up equity shares having face value of ₹10 each representing 26.00% of Voting Share Capital of the Target Company at a price of ₹5.48 per Equity Share from the Eligible Equity Shareholders of the Target Company in terms of SEBI (SAST) Regulations, 2011.
4)	Name of the Acquirer	Frontier Warehousing Limited ("**Acquirer**")
5)	Name of the Manager to the Offer	Mark Corporate Advisors Private Limited (SEBI Reg. No.: INM000012128) **Address:** 404/1, The Summit, Sant Janabai Road (Service Lane), Off Western Express Highway, Vile Parle (East), Mumbai – 400057 **Email ID:** openoffer@markcorporateadvisors.com
6)	Members of the Committee of Independent Directors	**(i)** Mr. Satish Narain Jajoo (DIN: 07524333) : Chairman **(ii)** Mrs. Mangala Radhakrishna Prabhu (DIN: 06450659) : Member **(iii)** Mr. Jitendra Kumar Agarwal (DIN: 06830635) : Member **(iv)** Ms. Rashmi Bihani (DIN: 07062288) : Member
7)	IDC Member's relationship with the TC (Director, equity shares owned, any other contract/relationship), if any	All the Members of the IDC are Independent Directors on the Board of the Target Company. Mr. Satish Narain Jajoo holds 208 equity shares of Target Company. Barring this, none of members of the Committee of Independent Directors hold any equity shares in the Target Company. None of the members of the IDC have entered into any contract or have other relationship with the Target Company, except as mentioned above.
8)	Trading in the equity shares/ other securities of the TC by IDC Members	None of the members of the IDC have traded in any of the Equity Shares/ securities of the Target Company during the: (a) 12 months period preceding the date of the PA; and (b) period from the date of the PA and till the date of this recommendation.
9)	IDC Member's relationship with the Acquirer (Director, equity shares owned, any other contract/relationship), if any	None of the members of IDC: (a) are Directors on the Board of the Acquirer; (b) hold any equity shares or other securities of the Acquirer; and (c) have any contracts/ relationship with the Acquirer.
10)	Trading in the Equity Shares/ other securities of the Acquirer by IDC Members	None of the members of the IDC have traded in any of the Equity Shares/ securities of the Acquirer during the: (a) 12 months period preceding the date of the PA; and (b) period from the date of the PA and till the date of this recommendation.
11)	Recommendation on the Open offer, as to whether the offer is fair and reasonable	Based on a review of the relevant information (as set out in the summary of reasons for recommendation below), the IDC is of the opinion that the Offer Price of ₹5.48 per Equity Share is in accordance with the applicable regulations being SEBI (SAST) Regulations 2011 and accordingly, is fair and reasonable.
12)	Summary of reasons for recommendation	The IDC has perused the DPS, DLOF and LOF issued by the Manager to the Offer on behalf of the Acquirer in connection with the Open Offer. The recommendation of the IDC set out in the paragraph above is based on the following: (a) The Offer Price is in accordance with Regulation 8(2) of the SEBI (SAST) Regulations, 2011; (b) The Offer Price of ₹5.48 per equity share is more than the negotiated price for acquisition of Equity Shares by the Acquirer i.e. ₹4.00 per Equity Share; and (c) The Offer Price is equal to the volume-weighted average market price of the Equity Shares during the period of 60 trading days immediately preceding the date of the PA, as traded on the National Stock Exchange of India Limited (the stock exchanges with maximum volume of trading during such period), i.e. ₹5.48 per Equity Share. This is an Open Offer for acquisition of publicly held Equity Shares. The public shareholders have an option to tender the Equity Shares held by them or remain public shareholders in the Target Company. The public shareholders of the Target Company are advised to independently evaluate the Open Offer and the market performance of the Target Company's scrip and take an informed decision about tendering the Equity Shares held by them in the Open Offer. The statement of recommendation will be available on the website of the Target Company at www.kesocorp.com
13)	Disclosure of Voting Pattern of IDC	The recommendations were unanimously approved by the members of the IDC present at the meeting held on February 19, 2026.
14)	Details of Independent Advisors, if any	None
15)	Any other matter(s) to be highlighted	The current market price is higher than that of the offer price.

To the best of our knowledge and belief, after making proper enquiry, the information contained in or accompanying this statement is, in all material respect, true and correct and not misleading, whether by omission of any information or otherwise, and includes all the information required to be disclosed by the Target Company under the SEBI (SAST) Regulations, 2011.

For and on behalf of
The Committee of Independent Directors of
Kesoram Industries Limited
Sd/-

Satish Narain Jajoo
Chairman-IDC
(DIN: 07524333)

Date : February 19, 2026
Place : Kolkata